अंडरग्राउंड पार्किंग, सोलर ट्रैम और हवेली वाले होटल

स्टूडेंट्स का मिशन चांदनी चौक

रूही भसीन || टीएनएन

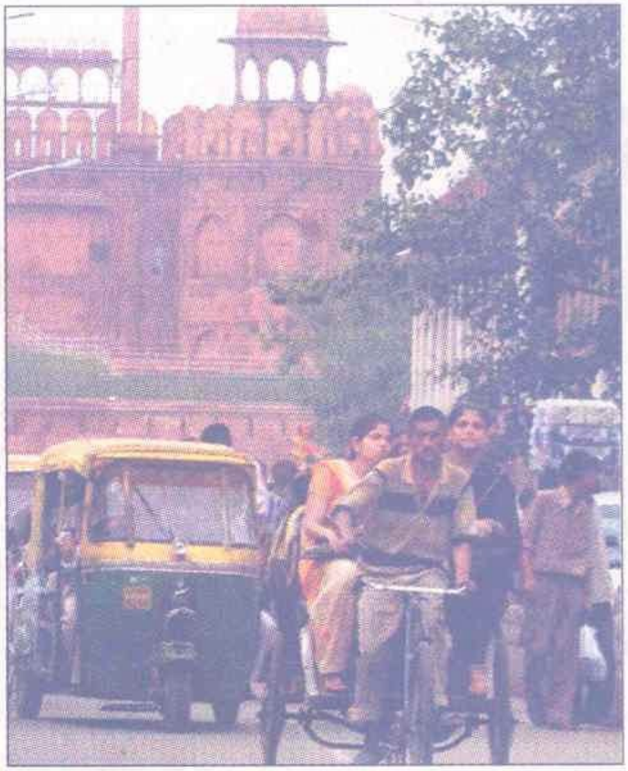

राजधानी के 15 स्कूलों के 9वीं क्लास के स्टूडेंट्स खामोशी से एक मिशन में जुटे हुए हैं। यह मिशन है चांदनी चौक को फिर से डिवेलप करने का। हालांकि पुरानी दिल्ली को जब-तब फेसलिफ्ट करने की कागजी बातें होती रहती हैं लेकिन पहली बार स्टूडेंट्स ने एक ठोस पहल की है।

पुरानी दिल्ली में जाम की समस्या को देखते हुए स्टूडेंट्स ने अंडरग्राउंड पार्किंग, सौर ऊर्जा से चलने वाली ट्राम, खाने-पीने की सेंट्रलाइज्ड जगहें, सीवर की सफाई, हवेलियों को होटल में बदलने का प्रस्ताव तैयार किया है। अगर ऐसा हो सका तो चांदनी चौक की पुरानी शान फिर से लौट आएगी।

चांदनी चौक को रीडिवेलप करने के विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसके बाद शहर के 15 स्कूलों के स्टूडेंट्स को फ्यूचर सिटीज 2020 प्रतियोगिता के लिए छांटा गया। अब इन स्टूडेंट्स को अपने विजन को 3डी कॉन्सेप्ट मॉडल में बदलना है और जनवरी 2010 में इसका प्रेजेंटेशन देना है।

मानव भारती इंडिया इंटरनैशनल स्कूल पंचशील पार्क के स्टूडेंट्स पिछले साल के विजेता थे। उनका कहना है कि चांदनी चौक में लगने वाले जाम को लेकर उनका सुझाव यह है कि यहां के सारे रेहड़ी, पटरी वालों को अलग से एक जगह दे दी जाए जहां वे अपना काम कर सकें। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हरसेवक सिंह का कहना है कि हम अपने प्लान में सुझाव देंगे कि चांदनी चौक में एक ऐसी जगह हो जहां खाने-पीने का सामान बेचने वालों को स्पेस मिले। इससे चांदनी चौक घूमने आने वालों को सारी खाने-पीने की स्वादिष्ट चीजें एक ही जगह पर मिलेंगी। हमने ट्राम और पर्यावरण के अनुकूल बसें चलाने की भी सलाह दी है।

इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही हर टीम में चार स्टूडेंट्स और एक टीचर शामिल हैं। एपीजे स्कूल पीतमपुरा ने पुरानी दिल्ली की शान-शौकत का खाका इसको चार जोन में बांटकर खींचा है। यह जोन होंगे मार्केट, होटल, बिजनेस और रेजिडेंशल इलाका। इस स्कूल की निहारिका सिंह का कहना है कि भीड़भाड़ रोकने के लिए प्राइवेट वीइकल की कमर्शल एरिया में नो एंट्री की बात हमारे प्लान में शामिल है। इसके अलावा हमने सौर ऊर्जा से चलने वाली ट्राम, सीवर लाइन की सफाई और यहां चलने वाले तांगों में टूरिस्ट गाइड का बंदोबस्त करने की बात प्लान में शामिल की है। खास बात यह भी इस प्रतियोगिता में शामिल स्टूडेंट्स में ऐसे बहुत सारे हैं जिन्होंने चांदनी चौक आज तक नहीं देखा लेकिन उन्होंने प्लान तैयार करने में कोई कमी नहीं छोड़ी है।

<u>Translation:</u>

Underground Parking, Solar Trams and Heritage Hotels

Students focused on Chandni Chowk Mission

Students from 15 schools in the Delhi and NCR region are busy redesigning the chandni chowk area. There has been a lot of talk on the condition of old Delhi and the need to redevelop it but now 15 student teams have taken it on themselves to redesign the old Delhi area.

To solve the issue of congestion and traffic jams the student teams have planned an impressive face lift by proposing underground parking, solar powered trams, centralized cafeterias and converting old heritage buildings into hotels. The teams will try to redesign old Delhi and get back the lost charm of Chandni Chowk.

15 student teams from various schools have been short listed to participate in the *Future Cities India 2020 09-10 competition* where the challenge is to redevelop Chandni Chowk. The 15 teams will have to make a 3D model concept and present it on January 2010. The students of Manava Bharati India International School, Panchsheel who were the winners of last years competiton had suggested that in order to reduce the traffic jams a separate area should be provided for the traders and street food vendors. Mr. Harsevak Singh, from Manava Bharati India International School, Panchsheel said they had suggested to provide a separate area for the street food vendors and also provide trams and tourist buses as modes of transport to ease traffic congestion.

Each team comprises of 4 students and 1 teacher.

Apeejay School have divided the old Delhi area into 4 zones – Market, Hotel, residential and commercial. Ms. Niharika Singh from Apeejay School said, “To reduce traffic jams we have proposed the ban of private vehicles from entering the commercial area. We have also proposed solar trams, carriages with tourist guides and cleaning up sewage lines ”.

Though most of the students participating in this competition have never been to Chandni Chowk their enthusiasm and interest in revamping the Chandni Chowk is overwhelming.